थारी नगरी में सांवरिया भगतां फाग मचायो रे लिरिक्स

थारी नगरी में सांवरिया,
भगतां फाग मचायो रे,
थारी नगरी में।bd।

तर्ज – रंग मत डारे रे।

अबीर गुलाल की भर भर झोली,
रोली भाल लगाई जी,
ईसो फाग तो मैं भी खेलूं,
जी ललचायो रे,
थारी नगरी में।bd।

अनमोलो चोलो केसरियो,
फेटचो बंध्यो कसुतो जी,
आज बता दे तन्ने कन्हैया,
कुण सजायो रे,
थारी नगरी में।bd।

सीधो सीधो सभा मंड से,
बेगो बाहर आजा रे,
भीतर बड़के बैठचो म्हाने,
दाए ना आयो रे,
थारी नगरी में।bd।

थारे आया ही अलबेला,
रंग सुरंगो जमसी जी,
श्याम बहादुर शिव मस्ती को,
प्यालो प्यायो रे,
थारी नगरी में।bd।

थारी नगरी में सांवरिया,
भगतां फाग मचायो रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

Singer – Rahul Sanwara

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com